ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना सन् 1932 ई. में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित है। अपने संस्थापक की स्मृति में प्रतिवर्ष अगस्त माह में सप्त दिवसीय ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला का आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया जाता है।

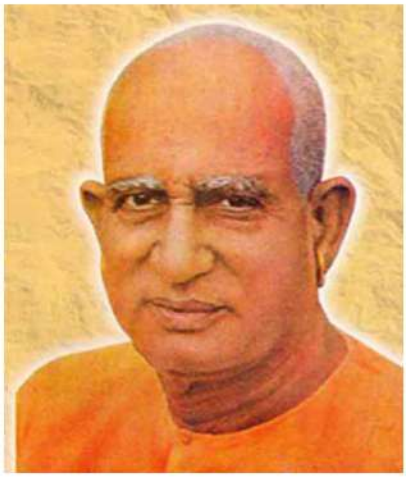

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी २० अगस्त से २६ अगस्त तक साप्ताहिक व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया। २० अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ० हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय दर्शनशास्त्र परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री प्रो० अम्बिका दत्त शर्मा, कार्यक्रम के अध्यक्ष गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी, सदर सांसद गोरखपुर पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज, मुख्य वक्ता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० उदय प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध मिश्र तथा आभार भौतिकी प्रवक्ता श्री संतोष कुमार ने किया।

व्याख्यान-माला के उद्घाटन सत्र में अतिथि

२१ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के दूसरे दिन "भारत की ज्ञान परम्परा: धर्मशास्त्र" विषय पर मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० संतोष शुक्ला ने अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ० बाल मुकुन्द पाण्डेय, संचालन जयहिन्द यादव एवं आभार इतिहास के प्रवक्ता डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

२२ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्या-माला के तीसरे दिन "राष्ट्रीय चेतना और स्वामी विवेकानन्द" विषय पर मुख्य वक्ता पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ० वेद प्रकाश पाण्डेय ने अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० एस०सी०बोस, संचालन मनु कुमार सैनी एवं आभार प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति ने किया।

२३ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के चौथे दिन "सितारों की दुनिया" विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० ध्रुवचन्द्र श्रीवास्तव ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी दिन "शून्य एक विवेचन" विषय पर मदन मोहन मालवीय पी०जी० कालेज, भाटपाररानी के गणित विभाग के उपाचार्य डॉ० श्री कृष्ण देव दूबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार त्रिपाठी एवं आभार रसायनशास्त्र के प्रवक्ता डॉ० राम सहाय ने किया।

व्याख्यान-माला के समापन समारोह में अतिथि

२४ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान- माला के पाँचवे दिन "वैदिक संहिताओं में जीवन मूल्य" विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो० मुरली मनोहर पाठक ने अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० महेश शरण श्रीवास्तव, संचालन हरिद्वार प्रजापति एवं आभार महाविद्यालय के छात्र जयहिन्द यादव ने किया।

२५ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान- माला के छठवें दिन "२१ वीं शताब्दी में भारत की नौसैनिक स्त्रातजी" विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो० हरिशरण एवं इसी दिन "इन्सेफेलाइटिस और कुपोषण" विषय पर बी०आर०डी० मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर के मेडिसीन विभाग के प्रभारी डॉ० राज किशोर सिंह ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार एवं आभार रक्षा अध्ययन के प्रवक्ता डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

२६ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान- माला के समारोप अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० राम अचल सिंह ने अपने विचार रखे। बतौर मुख्य वक्ता डी०ए०वी० कालेज, कानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ० बालमुकुन्द पाण्डेय, संचालन महाविद्यालय की छात्रा रूष्पा चौहान एवं आभार भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ० विजय कुमार चौधरी ने किया।